कक्षा–12 NCERT राजनीति विज्ञान (स्वतंत्र भारत में राजनीति)

अध्याय–02 (एक दल के प्रभुत्व का दौर) नोट्स

Youtube Channel Name : Siddhi Vinayak Sangaria

Channel Link- https://www.youtube.com/channel/UCJlUDM0uPIL7kEO0ZMdDcHg

Telegram link - https://t.me/siddhivinayaksangariamukesh (Siddhi Vinayak Sangaria)

Political Science Video Playlist Link-

https://www.youtube.com/watch?v=T1_JmzbsaAM&list=PLIlq5TfwxGWF7iVqpMJgSuc6OVr8kERaU

---

1. अगर पहले आम चुनाव के बाद भारतीय जनसंघ अथवा भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी की सरकार बनी होती, तो किन मामलों में इस सरकार से अलग नीति अपनाई गई होती। इन दोनों दलों द्वारा अपनाई गई नीतियों के बीच तीन अंतरों का उल्लेख कीजिए।

उत्तर– यदि पहले आम चुनाव के बाद भारतीय जनसंघ या भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी की सरकार बनी होती, तो किसानों, मजदूरों, आण्विक कार्यक्रमों, उद्योगों, विदेश नीतियों आदि के मामले में कांग्रेस सरकार से अलग नीति अपनाई होती। भारतीय जनसंघ और भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी की नीतियों में निम्न तीन अंतर हैं–

भारतीय जनसंघ	भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी
• भारतीय जनसंघ राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ से प्रभावित है तथा हिंदूवाद की बात करता है। • जनसंघ की नीतियाँ व्यापारियों और उद्योगपतियों की पक्षधर हैं • जनसंघ ने धार्मिक और सांस्कृतिक अल्पसंख्यकों को रियायत देने का विरोध किया है।	• भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी किसी धर्म या वाद का समर्थन नहीं करती है। • कम्युनिस्ट पार्टी की नीतियां किसानों और मजदूरों की पक्षधर हैं। • कम्युनिस्ट पार्टी ने धार्मिक और सांस्कृतिक अल्पसंख्यकों को रियायत देने का समर्थन किया है।

2. कांग्रेस किन अर्थों में एक विचारधारात्मक गठबंधन थी? कांग्रेस में मौजूद विभिन्न विचारधारात्मक उपस्थितियों का उल्लेख करें।

उत्तर– 1886 में कांग्रेस के गठन के समय इसमें नवशिक्षित, कामकाजी तथा व्यापारिक वर्ग शामिल थे, किंतु कुछ समय बाद कांग्रेस ने एक आंदोलन का रूप ले लिया तथा इसमें विभिन्न वर्ग, जाति, क्षेत्र, भाषा और हित समूह के लोग शामिल हो गए। वे लोग भी कांग्रेस में शामिल हुए, जो कांग्रेस से वैचारिक भिन्नता रखते थे। कांग्रेस ने परस्पर विरोधी हितों के कई समूहों को एकसाथ जोड़ा 'इस पार्टी में किसान और उद्योगपति, शहर और गाँव के निवासी, मजदूर और मालिक, निम्न एवं उच्च वर्ग और जाति सभी को जगह मिली। कांग्रेस के नेतृत्व में भी सभी वर्ग के लोग शामिल हुए। वस्तुतः कांग्रेस विविध विचारधारा के रूप में भारत की विविधता का नेतृत्व कर रही थी। कई बार ऐसा भी हुआ कि किसी समूह ने अपनी पहचान को कांग्रेस के साथ साझा नहीं किया और अपने अपने विश्वासों को मानते हुए एक व्यक्ति या समूह कांग्रेस से जुड़े रहे।

इस अर्थ में कांग्रेस एक विचारधारात्मक गठबंधन थी। इसमें क्रांतिकारी और शांतिवादी, गरमपंथी और नरमपंथी, दक्षिणपंथी और वामपंथी आदि सभी विचारधारा के लोग शामिल हुए। कांग्रेस में विलय और तालमेल की शक्ति निहित थी। यह शक्ति कांग्रेस पार्टी में लंबे समय तक विद्यमान रही। जब तक यह विशेषता कांग्रेस में बनी रही उसका प्रभुत्व बना रहा।

3. क्या एकल पार्टी प्रभुत्व की प्रणाली का भारतीय राजनीति के लोकतांत्रिक चरित्र पर खराब असर हुआ?

उत्तर– एकदलीय प्रभुत्व प्रणाली का भारतीय लोकतांत्रिक चरित्र पर निम्न प्रकार से प्रतिकूल प्रभाव पड़ा।

- लगभग वर्ष 1967 तक भारत में कांग्रेस का प्रभुत्व रहा। इस समय विपक्ष अत्यंत कमजोर था, जिसके कारण विपक्ष की विचारधारा उभरकर सामने नहीं आ रही थी और उनके विचारों की उपेक्षा हो रही थी।
- कांग्रेस का नेतृत्व एक समय के बाद कुछ उच्च वर्ग तथा कुलीन वर्ग तक सीमित हो गया, जिससे

Youtube Channel : Siddhi Vinayak Sangaria

लोकतांत्रिक राजनीतिक प्रणाली प्रभावित हुई।

- एकल पार्टी प्रमुख के कारण पार्टी के भीतर बहुत से उसके इस चरित्र से स्वयं को समाहित न कर सके और से अलग हो गए, जिससे लोकतांत्रिक राजनीतिक प्रणाली पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा।
- एक दलीय प्रमुख के कारण दल की अपेक्षा एक व्यक्ति का महत्व बढ़ गया। अतरू एक व्यक्ति के विचारों को ही शासन पर लागू किया गया।

4. समाजवादी दलों और कम्युनिस्ट पार्टी के बीच के तीन अंतर बताइए। इस तरह भारतीय जनसंघ और स्वतंत्र पार्टी के बीच के तीन अंतरों का उल्लेख कीजिए।

उत्तर– समाजवादी दलों एवं कम्युनिस्ट पार्टी में अंतर–

समाजवादी दल	कम्युनिस्ट पार्टी
• समाजवादी दल लोकतांत्रिक, समाजवाद की विचारधारा में विश्वास करते हैं। • समाजवादी पूँजी और पूँजीपतियों का विरोध नहीं करते। • समाजवादी शांतिपूर्ण और संवैधानिक तरीकों से सामाजिक–आर्थिक परिवर्तन के हैं।	• कम्युनिस्ट पार्टी सर्वहारा वर्ग के अधिनायकवादी लोकतंत्र में विश्वास करती है। • कम्युनिस्ट इसे अनावश्यक तथा समाजद्रोही मानते हैं। • कम्युनिस्ट क्रांति द्वारा परिवर्तन के पर हैं।

भारतीय जनसंघ एवं स्वतंत्र पार्टी में अंतर–

भारतीय जनसंघ	स्वतंत्र पार्टी
• भारतीय जनसंघ राज्य की भूमि का समर्थन करता है। • भारतीय जनसंघ हिंदुत्व का समर्थन करता है। • भारतीय जनसंघ भारत की गुटनिरपेक्षता की नीति का समर्थन करती है।	• स्वतंत्र पार्टी मनुष्य की स्वतंत्रता की पक्षधर है तथा राज्य के कम से कम हस्तक्षेप का समर्थन करती है। • स्वतंत्र पार्टी धर्म निरपेक्षता का समर्थन करती है। • स्वतंत्र पार्टी गुटनिरपेक्षता का विरोध करती है।

5. भारत और मैक्सिको दोनों ही देशों में एक खास समय तक एक ही पार्टी का प्रभुत्व रहा। बताइए कि मैक्सिको में स्थापित एक पार्टी का प्रभुत्व भारत की एक पार्टी के प्रभुत्व से कैसे अलग था?

उत्तर– मैक्सिको में स्थापित एक पार्टी का प्रभुत्व भारत के एक पार्टी के प्रभुत्व से अलग था। मैक्सिको में यह एक पार्टी प्रणाली थी, न कि प्रभुत्व, क्योंकि–

- भारत में कांग्रेस पार्टी ने लोकप्रिय मतगणना के आधार पर प्रभुत्व स्थापित किया, जबकि मैक्सिको में इंस्टीट्यूशनल रिवोल्यूशनरी पार्टी ने परिपूर्ण तानाशाही के आधार पर शासन किया।
- भारत में स्वतंत्र व निष्पक्ष चुनाव हुए, जहाँ चुनाव में हार भी निष्पक्ष रूप से होती थी, लेकिन मैक्सिको में चुनावों में पी आर आई हेर–फेर व चौधली करती थी।

Class – 12th NCERT राजनीति विज्ञान के प्रत्येक अध्याय को अच्छे से समझने के लिए सिद्धि विनायक संगरिया यू–ट्यूब चैनल पर आप वीडियो देखें। इसके लिए आपको चैनल की प्ले–लिस्ट NCERT POL SCIENCE|2021-22|Class 12

(https://www.youtube.com/watch?v=T1_JmzbsaAM&list=PLIlq5TfwxGWF7iVqpMJgSuc6OVr8kERaU)

में अध्यायवार सभी वीडियो एकसाथ मिलेंगे। आप भी पढ़ें और अपने साथियों को भी पढ़ने के लिए प्रेरित करें।

धन्यवाद

सिद्धि विनायक संगरिया टीम

Youtube Channel: Siddhi Vinayak Sangaria